

डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति

Dr. Pradeep Kumar Bisen
Vice Chancellor



जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय
कृषि नगर, आधारताल, जबलपुर ४८२ ००४ (म.प्र.)
Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya
Krishi Nagar, Adhartal, Jabalpur 482 004 (M.P.)

संदेश

प्रो स्वाइल जर्मन सरकार द्वारा वित्त पोषित मृदा स्वास्थ्य, प्रबंधन एवं उन्नयन आधारित परियोजना है, जो विगत पाँच वर्षों से मैनेज हैदराबाद के सहयोग द्वारा मध्यप्रदेश के अन्तर्गत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, द्वारा बालाघाट तथा मंडला जिले में सततरूप संचालित है। वर्तमान में यह परियोजना पूर्णतः कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत की जा रही है। इस परियोजना से अब तक लगभग 200000 से अधिक किसान भाई व बहनें जुड़कर उन्नत तकनीक की जानकारी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

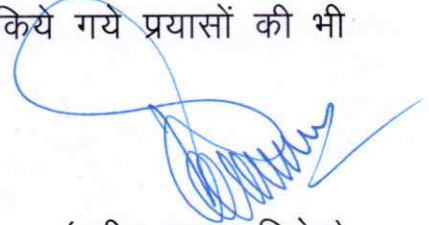
बलराम एप्लीकेशन, जलवायु से संबंधित जानकारी और मृदा प्रबंधन के लिये एक नेटवर्क है। जो कि मौसम डेटा, मौसमी परिस्थितियों और मृदा स्वास्थ्य मापदण्डों का उपयोग करता है ताकि यह गणना की जा सके कि स्थायी मिट्टी प्रबंधन के लिये कौन से उपाय विशेष रूप से संबंधित स्थान के लिये अनुकूल एवं उपयोगी है। यह जानकारी पी.सी. या टैबलेट और स्मार्ट फोन के द्वारा सुगमता से प्राप्त की जा सकती है। जिन किसानों के पास उपयुक्त एंड्राइड या स्मार्ट फोन है, वे इस महत्वपूर्ण डेटा और परिणामी सिफारिशों तक सीधे पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, मंच के माध्यम से व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप व्यक्तिगत सलाह प्रदान करने के लिये विशेषज्ञ भी उपलब्ध हैं। इस प्रकार किसानों के पास प्रासंगिक ज्ञान और समय पर सलाह पहुंच पाती है। इस तरह वे फसल की योजना बनाने और सुरक्षित करने में सक्षम होकर जलवायु परिवर्तन के कुप्रभावों के अनुकूल होने की क्षमता में सुधार कर सकते हैं।

मृदा है तो हमारा जीवन है मृदा प्रकृति की देन है जिसे स्वस्थ बनाने में न सिर्फ किसान भाईयों का वरन् समस्त मानव का कर्तव्य है जिसके लिये सर्वप्रथम हमें मृदा कटाव को रोकना चाहिये। कम से कम रसायनों का उपयोग कर धीरे धीरे प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाना है। जिस तरह से आज कृषि भूमि का न्यूनीकरण हो रहा है और किसान भाई अधिक उपज लेने के लिये उत्तरोत्तर अधिक रासायनिक उर्वरकों पर ही निर्भर है। भारतीय परंपरा अनुसार पूर्वजों द्वारा आने वाली पीढ़ियों को अपनी संपत्ति हस्तांतरित करते हैं। जिससे उनकी आने वाली पीढ़ी अपना भविष्य सुरक्षित रखते हुए उनका मान-सम्मान करती है।

आज किसान भाई केवल रासायनिक खादों का ही अंधाधुंध प्रयोग कर रहे जिसके फलस्वरूप भूमि में मृदा के पोषक तत्वों में असंतुलन देखने में आ रहा है। फसल व मृदा के साथ साथ जलवायु भी प्रभावित हो रही है।

अतः इन सभी समस्याओं के निवारण हेतु जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने मध्यप्रदेश के किसान भाईयों के लिये बलराम एप्लीकेशन ऐप तैयार किया है जो यह जानकारी देगा कि मृदा को स्वस्थ बनाये रखने हेतु कब, क्या और कैसे कार्य प्रबंधन करना है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह बलराम ऐप किसानों और विश्वविद्यालय के मध्य एक सेतू की तरह कार्य करेगा इस नवोन्मेषी प्रयास को सार्थक रूप प्रदान करने हेतु हमारे वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर मैं मैनेज हैदराबाद एवं प्रोस्वाइल परियोजना के पोषक जी.आई.जेड द्वारा किये गये प्रयासों की भी प्रशंसा व्यक्त करता हूं।



(प्रदीप कुमार बिसेन)